



## **DISTRICT LEGAL SERVICES AUTHORITY, GIRIDIH**

Email – dlsagiridih@gmail.com, Mo. No. 7319853377



*Pictorials of District Level Multi Stake Holder Consultation Meet on “Effective Implementation of Protection of Children from Sexual Offences (POCSO) Act. 2012 and MACT Matters” held at Civil Courts, Giridih on 03<sup>rd</sup> August, 2025.*







वर्ष : 68, अंक : 90 04.08.2025 पंजीयन संख्या : 4000/2025, शुक्रवार, 4 अगस्त, 2025

औद्योगिक क्षेत्र का प्रमुख दैनिक (स्थापित : 15 अगस्त, 1947)

# आवाज

धनबाद, हजारीबाग, देवघर व आसनसोल (पश्चिम बंगाल) से प्रकाशित

पांचवां टेस्ट : प्रसिद्ध कृष्णा ने तीन विकेट लेकर जगाई भारत की उम्मीदें

बांग्लादेश : शेख हदीना के खिलाफ एक और मुकदमा

## डीएलएसए ने किया व्यवहार न्यायालय में कार्यशाला का आयोजन

आवाज प्रतिनिधि। 3 अगस्त गिरिडीह। जिला विधिक सेवा प्राधिकार गिरिडीह द्वारा रविवार को व्यवहार न्यायालय परिसर में पांचवें एक्ट, 2012 एवं मोटर वाहन दुर्घटना वाद से संबंधित मामलों को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डीएलएसए गिरिडीह के अध्यक्ष मार्टींड प्रताप मिश्रा, प्रधान न्यायाधीश कुटुब न्यायालय धनंजय कुमार, जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार झा, उपायुक्त सह उपाध्यक्ष रामनिवास यादव, पुलिस अधीक्षक डॉ. विमल कुमार एवं अधिवक्ता संघ सचिव चुन्नुकांत ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

सोमवार को संबोधित करते हुए पीडीजे श्री मिश्रा ने कहा कि पीएसो एवं मोटर वाहन वाद से संबंधित मामलों में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए दिशा-

निर्देशों का अनुपालन करके पीडीजे को त्वरित न्याय उपलब्ध करवाया जा सकता है। चर्चा उपयुक्त श्री यादव ने कार्यशाला को सभी स्टैकहोल्डर पुलिस पदाधिकारी, चिकित्सक एवं अधिवक्ता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। पुलिस अधीक्षक डॉ. विमल कुमार ने पुलिस और चिकित्सा अधिकारियों को संवेदनशील भूमिका पर जल दिया। वहीं, अधिवक्ता संघ सचिव चुन्नुकांत ने न्यायाधीशों एवं विधिक सेवा

प्रधिकार का अपभार जताने हुए अधिवक्ताओं से प्रावधानों को गहराई से समझने की अपील की। कार्यशाला के तकनीकी सत्र में न्यायाधीशगण राजेश कुमार बग्गा, हरिओम कुमार, विशाल कुमार व रोमा कुमारी ने मोटर वाहन

एवं पीएसो वादों के विभिन्न पहलुओं पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। डीएसपी मो. कैसर अली ने हिट एंड रन मामलों में मुआवजा एवं अनुरोधन प्रक्रिया पर जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन

न्यायिक दंडाधिकारी स्मृति विपानी ने किया। जबकि कार्यशाला में न्यायिक पदाधिकारीगण, पुलिस एड डिफेंस काउंसिल, लोक अभियोजक एवं न्यायालय कर्मियों की सक्रिय भागीदारी रही।



**जागरूकता.** व्यवहार न्यायालय परिसर में वर्कशॉप का आयोजन, दी गयी जानकारी

**पोक्सो व वाहन दुर्घटनावाद जल्द निबटाना जरूरी**



वर्केशॉप में शामिल न्यायिक पदाधिकारी

प्रतिनिधि, गिरिडीह

व्यवहार न्यायालय में रिविगर को जिला निधि सेवा प्राधिकार गिरिडौर ने पोक्सो एक्ट के मोटर वाहन दुर्घटना काद से संबंधित माहौल के लिए वर्षकोष का आयोजन व्यवहार न्यायालय परिसर में किया. शुरुआत प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश सह जिला निधि क सेव प्राधिकार के अध्यक्ष मार्लट प्रताप मिश्रा, कुटुंब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश धनंजय कुमार, जिला व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रथम मनोज कुमार झा, डीएस

सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष रामनिवास यादव, एसपी विलम कुमार व जिला अधिवक्ता संजय सिंह व चुनुकाल ने ट्रैप जलाकर किया। प्रधान जिला ने ट्रैप न्यायाधीश ने कहा कि पोक्सो एक्ट व मोटर वाहन अधिनियम से सर्वोच्च न्यायालय के महत्वपूर्ण निर्देश को अनूपालन विधि स्तरों पर किये जाने से पोक्सो एक्ट मोटर वाहन ट्रैपिंग वाद से संबंधित पीड़ितों को त्वरित न्याय उपलब्ध कराया जा सकता है, डीसी ने कहा कि वर्कशॉप

सभी स्टकहोल्डर के जैसे पुलिस अधिकारियों, चिकित्सकों, अधिवक्ताओं के लिए अत्यंत ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने वर्कशॉप के तकनीकी सत्र में न्यायिक पदाधिकारियों व रिसोर्स पर्सन के द्वारा बताये जा रहे निदेशों का अनुपालन पोक्सो एक्ट एवं मोटर वाहन दुर्घटना वादों से संबंधित मामलों में करें, ताकि ईमानदारों को पीड़ितों को त्वरित एवं सुलभ न्याय प्रदान किया जा सके, एस्पीउ विमल कुमार ने मोटर वाहन दुर्घटना वादों तथा पोक्सो मामलों में पुलिस पदाधिकारियों, डॉक्टर की संवेदनशीलता

व उनके कर्तव्यों के बारे में उन्हें जागरूक किया, जिला अधिवक्ता संच के सचिव चुनूकॉत ने वर्कशॉप के लिए प्रबंध जिला जज व सचिव जिला विधिक प्रेषण अधिकार को धन्यवाद दिया. उन्होंने अधिवक्ता संच के प्रतिनिधियों को इस वर्कशॉप में मोटर वाहन दुर्घटनावाद से संबंधित प्राधान्यों को बारीकी पूर्वक समझने का सुझाव दिया.

न्यायिक व पुलिस अधिकारियों और वीणा कंठजी की भूमिकाएं हर चर्चा - तकनीकी सत्र में जिला व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश नवम राजेश कुमार

वगाव व चतुर्थ हरिओम कुमार ने मोटार वाहन दुर्घटना वाद के विभिन्न प्रावधानों के विस्तार से बताया. कहा कि इसमें न्यायिक व पुलिस पदाधिकारियों को भूमिका, बीमा कंपनियों को भूमिका समेत अन्य विषयों पर प्रतिभागी को जानकारी दी. डी.एसपी मो कोशर अल्ले ने हिट एंड रन केस में परिवहन विभाग के माध्यम से मिलने वाले मुआवजे तथा वाद के अनुसंधान की प्रक्रियाओं के बारे में विस्तारपूर्वक बतलाया. जिला व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश दसम विशाल कुमार तथा न्यायिक

दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी रामा कुमारी ने प्रतिभागियों को पोस्को के मामलों में अधिकारियों की भूमिका, पिटुट के प्रति संवेदनशील बर्ताव आदि की जानकारी दी. संचालन न्यायिक दंडाधिकारी स्मृति त्रिपाठी ने किया. आयोजन में न्यायिक व कार्यालयीन पदाधिकारी, पुलिस अधिकारी, गिरफ्तार न्याय मंडल के सभी सदस्य, लोक अभियोजक, लीगल एड विफ़ेस कार्डसल अभियंता, जिला अधिवक्ता संघ के सदस्य साहित न्यायालय के कर्मचारियों की भूमिका रही.



आइए  
गिरिडी  
इकाई  
की शु  
प्रमुख  
अध्य  
कोषा  
अपने  
डोका  
कार्य  
और  
दिख  
गति  
वना  
है. म  
दोप  
सुप

## झारखंड प्रहरी

**व्यवहार न्यायालय गिरिडीह में पॉक्सो एक्ट एवं मोटर वाहन दुर्घटना वाद के सभी स्टैकहोल्डर्स के साथ एक दिवसीय वर्कशॉप का किया गया आयोजन**

इमारतोंड प्रहरी अभित सहाय

**गिरिडीह** माननीय झारखण्ड, राँची के निर्देशानुसार एवं माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश साह अच्युत, जिला प्रधिक सेवा प्राधिकार गिरिडीह मार्टेड प्रयाग मिश्रा के मार्गदर्शन में 03 अप्रैल 2025 को जिला प्रधिक सेवा प्राधिकार गिरिडीह की ओर से पॉन्टिफ एन्ट एवं मोटर वाहन दुर्घटना खाते से संबंधित मामलों के लिए एक दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन व्यवहार न्यायालय परिसर गिरिडीह में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश साह अच्युत, जिला प्रधिक सेवा प्राधिकार गिरिडीह की मार्टेड प्रयाग मिश्रा, प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय की धर्मजय कुमार, जिला एवं सत्र अतिरिक्त न्यायाधीश गिरिडीह प्रथम की मनेज कुमारा झा, उपपक्ष सत्र अपाध्यक्ष जिला

विधिक सेवा प्राधिकार गिरिडीह श्री राम निवास सादय, जिला अधिवक्ता संघ सचिव चुनू कांत एवं पुलिस अधीक्षक डॉ विमल कुमार के पावन कर कमलों द्वारा संयुक्त रूप से प्रज्वलित कर किया गया।

कार्यक्रम को संयोजित करते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सत्र अध्यक्ष महोदय ने कहा कि पीपीसी एक्ट एवं मोटर वाहन दुर्घटना वाद में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा महत्वपूर्ण निर्देश निर्देश सभी स्ट्रेकोलाइजर के लिए प्रदान किया गया है। इन निर्देशों का अनुपालन विधिपटन स्तरों पर किए जाने से पीपीसी एक्ट एवं मोटर वाहन दुर्घटना वाद से संबंधित पीड़ितों को त्वरित न्याय उपलब्ध कराना जा सकता है।

उपायुक्त सह उपाध्यक्ष जिला  
विधिक सेवा प्राधिकार गिरिडोह  
श्री रामनिवास सादव ने कहा कि  
आज का कार्यक्रम सभी



स्टेकहोल्डर के लिए जैसे पुलिस प्रदायिकाओं, चिकित्सकों, अधिवक्ताओं के लिए अत्यंत ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी से अपील किया कि अबन के इस कवशाप के तकनीकी सत्र में विद्वान न्यायिक प्रदायिकाओं एवं रिसोर्स पर्सन के द्वारा जाना जा रहे दिशादिष्टों का अनुकूलन पॉक्सो एक्ट एवं मोटर वाहन दुर्घटना वाद से संबंधित मामलों में कर, तौल इन मामलों के पीड़ितों को त्वरित एवं सुलभ न्याय प्रदान किया जा सके।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गिरिडीह के पुलिस अधीक्षक डी. विमल कुमार ने मोटर वाहन दुर्घटना का तथा परिणामी मामलों में पुलिस पर्याधिकारियों, डॉक्टरों की सहयोगिताएँ एवं उनके कार्यक्षेत्र के बारे में उन्हें जागरूक किया।

जिला अधिवक्ता संघ के सचिव चुनूकांत के द्वारा इस कार्यक्रम को कारगर के लिए प्रयाज जिला जज गिरिडीह एवं प्रयाज जिला विधिक सेवा प्राधिकार गिरिडीह को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

श्रीनिधिजी को इस वक्तोई में मोहर वाहन दुष्टता वाद से विनश्वर प्रत्यक्षों को खरीको पूर्वक समझने का मुखिया दिया। कांक्रम के तकनीकी सर में जिला एवं अतिरिक्त सर न्यायाधीश वयस श्री राधेश कुमार व्याघ्र एवं जिला एवं अतिरिक्त सर न्यायाधीश चर्चार्थ श्री हरिओम कुमार ने मोहर वाहन दुष्टता वाद के विभिन्न प्रत्यक्षों के ऊपर विनश्वर प्रत्यक्ष जिला एवं अतिरिक्त सर न्यायाधीश प्रत्यक्षकारियों को भूमिका, पुलिस प्रत्यक्षकारियों को भूमिका, योग्य के प्रत्यक्षों को भूमिका इत्यादि विषयों में प्रशिक्षणों को जानकारी प्रदान किया। इसके उपरान्त पुलिस प्रत्यक्षकारियों को मोहर वाहन दुष्टता वाद के अग्रसंधान की प्रक्रिया एवं खरी में विनश्वर पूर्वक जिलावा।

साथ ही जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश न्यायिक और विभागत कुमार तथा न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी सुश्री रोमा कुमारी ने प्रतिभाषी को परीक्षा के मागले में पराधिकारियों के भूमिका, पाँडुर के प्रति संवेदनशील कार्य और के बारे में जरूरी परतुओं पर जनकारी प्रदान की। कार्यक्रम का संचालन न्यायिक दंडाधिकारी सुश्री स्मृति जिगौती ने किया। कार्यक्रम में न्यायिक पराधिकारी सण, निरिटीह, कार्यप्रताक पराधिकारीसण, जिले के विभिन्न थाना में पुलिस पराधिकारी, निरिटीह न्याय मंडल के सभी विद्वान मध्यस्थसण, लोक अभियोजकसण, लीगल एड डिफेंस काउंसिल सदस्य के सभी विद्वान अधिवक्तसण, जिला अधिवक्ता संच के विद्वान अधिवक्तसण सहित न्यायाधीश के कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

## गिरिडीह

## व्यवहार न्यायालय परिसर में कार्यशाला, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रहे शामिल, कानूनी अधिकारों की दी जानकारी पॉक्सो एक्ट व मोटर दुर्घटना वादों को लेकर स्टेकहोल्डर्स को प्राधिकार ने किया जागरूक

भास्कर न्यूज़ | गिरिडीह

जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गिरिडीह के तत्वावधान में शनिवार को व्यवहार न्यायालय परिसर में कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला पॉक्सो एक्ट, 2012 और मोटर वाहन दुर्घटना वादों से जुड़े सभी स्टेकहोल्डर्स न्यायिक पदाधिकारी, पुलिस अधिकारी, चिकित्सक, अभियंता और बीमा प्रतिनिधियों को जागरूक करने और उन्हें नवीनतम दिशा-निर्देशों से अवगत कराने के उद्देश्य से आयोजित की गई।

कार्यक्रम का उद्घाटन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष मार्टेड प्रताप मिश्रा, उपायुक्त सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के उपाध्यक्ष रामनिवास यादव, पुलिस अधीक्षक डॉ. विमल कुमार, प्रधान न्यायाधीश बुटुब न्यायालय धनंजय कुमार, जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रथम मनोज कुमार झा और अभियंता संघ के सचिव चुनकांत ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पॉक्सो व मोटर वाहन दुर्घटना वादों को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। यदि इनका समुचित अनुपालन किया जाए, तो पीड़ितों को त्वरित व सुलभ न्याय मिल सकता है।



उद्घाटन करते प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, उपायुक्त व अन्य



मीके पर मौजूद पदाधिकारी व अन्य।

यह कार्यशाला सभी स्टेकहोल्डर के लिए उपयुक्त : डीसी

उपायुक्त रामनिवास यादव ने कहा कि यह कार्यशाला पुलिस पदाधिकारी, चिकित्सक, अभियंता सहित सभी स्टेकहोल्डर्स के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने आग्रह किया कि तकनीकी सत्र में प्राप्त दिशा-निर्देशों का गंभीरता से अनुपालन किया जाए।

पॉक्सो एक्ट के मामलों में संवेदनशीलता जरूरी: एसपी

पुलिस अधीक्षक डॉ. विमल कुमार ने पुलिस और चिकित्सकों को जिम्मेदारियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इन मामलों में संवेदनशीलता अत्यंत आवश्यक है। जिला अभियंता संघ के सचिव चुनकांत ने कार्यशाला के आयोजन के लिए प्रधान जिला जज और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को धन्यवाद देते हुए अभियंताओं से आग्रह किया कि वे मोटर वाहन अधिनियम से जुड़े प्रावधानों को गंभीरता से समझें और उनका समुचित प्रयोग करें।

पुलिस अनुसंधान की बारीकियों को समझाया गया

कार्यक्रम के तकनीकी सत्र में जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश नवम राजेश कुमार बग्गा और चतुर्थ हरिओम कुमार ने मोटर वाहन दुर्घटना वादों में न्यायिक प्रक्रिया, बीमा कंपनियों की भूमिका और पुलिस अनुसंधान की बारीकियों को समझाया। वहीं पुलिस उपाधीक्षक मो. कोसर अली ने हिट एंड रन मामलों में परिवहन विभाग के तहत मिलने वाले मुआवजे की प्रक्रिया को विस्तार से बताया। इसके अलावा जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश दशम विशाल कुमार और न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी रोमा कुमारी ने पॉक्सो अधिनियम के मामलों में पीड़ितों के प्रति संवेदनशीलता और पदाधिकारियों की भूमिका पर प्रकाश डाला।

वे भी थे मौजूद

कार्यक्रम का संचालन न्यायिक दंडाधिकारी स्मृति त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर जिले के सभी न्यायिक पदाधिकारी, कार्यपालक पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, लोक अभियोजक, मध्यस्थगण, लीगल एड डिफेंस काउंसिल के अधिकारी, जिला अभियंता संघ के सदस्य तथा न्यायालय कर्मचारी उपस्थित रहे।